

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग
(संग्रहालय निदेशालय)

गया संग्रहालय, गया
की प्रमुख पाषाण प्रतिमाएं



डॉ. शिव कुमार मिश्र



गया संग्रहालय की प्रमुख पाषाण प्रतिमाएँ

पुरातनकाल से ही गया कलात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र रहा है। शायद ही ऐसा कोई गाँव हो जहाँ प्राचीन संस्कृति का चिन्ह न हो। इस क्षेत्र ने भारतीय कला की मागधी शैली के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गया संग्रहालय में संगृहीत और प्रदर्शित अद्भुत प्राचीन कलाकृतियाँ और दुर्लभ प्रदर्शन इसके प्रमाण हैं।

गया संग्रहालय 27 नवम्बर, 1952 को स्थानीय नगरपालिका भवन में आरंभ किया गया, परन्तु गया में संग्रहालय विकास के संदर्भ में इसका इतिहास उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य तक जाता है। 1885 में ही इस संग्रहालय के निर्माण का बीजारोपण हो गया था, जब वर्तमान जिला केन्द्रीय लोक पुस्तकालय खोला गया और अंग्रेजों ने स्थानीय कलाकृतियों को संरक्षित करने के लिए उन्हें वहाँ इकट्ठा करना आरंभ कर दिया था। इसका नाम 'पब्लिक लाइब्रेरी म्यूजियम ट्रस्ट' रखा गया। आरंभ में यहाँ पालकाल की कुछ पाषाण मूर्त्तियाँ और बुद्ध तथा मंजुश्री की बैठी हुई प्रतिमा के अलावा दो बंदूकें भी थी, एक लम्बा भाला भी यहाँ रखा गया (ये सभी चीजें 1976 में गया संग्रहालय में भेज दी गयी)।

गया के तत्कालीन दो कलक्टर, जॉर्ज ग्रियर्सन और ओल्डहैम की पहल से इस क्षेत्र की प्राचीन कृतियों के विवरण सिलसिलेवार रखे गये। 1885 से 1891 तक के कार्यकाल में ग्रियर्सन ने 'गया जिले पर एक टिप्पणी' (नोट ऑन द डिस्ट्रिक्ट ऑफ गया) तैयार की जिसमें क्षेत्र की विभिन्न प्राचीन कृतियों का जिक्र था। ओल्डहैम ने 1898 से 1902 के दौरान पूरे क्षेत्र में कई दौरे किए और प्राचीन कलाकृतियों की फोटो खिंचवाकर इकट्ठा करवाए।

लगभग 90 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद गया में संग्रहालय आंदोलन ने फिर जोर पकड़ा। एक स्थानीय वकील, श्री बलदेव प्रसाद ने पहल करते हुए 23 अप्रैल, 1947 को 'सोसायटी ऑफ इंडियन कल्चर' की स्थापना की। 21 जनवरी, 1950 को सोसायटी ने गया में संग्रहालय बनाने के लिए औपचारिक संकल्प पारित किया।

गया संग्रहालय में देवी–देवताओं की अनेक मूर्तियाँ संगृहीत हैं। लगभग सभी प्रतिमाएँ 6ठी से 12वीं शताब्दी ई. के बीच की है। शिव, नृत्यरत शिव, भैरव, लकुलीश, अज एकपाद शिव, उमा–महेश्वर, गणेश, सूर्य, रेवंत, अग्नि, कामदेव, हरिहर, सरस्वती, पार्वती, दुर्गा, चामुण्डा के अतिरिक्त अवलोकितेश्वर, मंजुश्री, मंजुवर, मैत्रेय, तारा और अपराजिता की मूर्तियाँ भी संगृहीत हैं।

इन प्रतिमाओं के अलावे सिक्के, पाण्डुलिपियाँ, पोषाकें, हथियार, चित्रकारी, प्राकृतिक धरोहर, पिंडदान दृश्य आदि भी इस संग्रहालय में प्रदर्शित हैं।

सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु संग्रहालय द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नवम्बर 2022 में द्विदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा घड़ियाल का संरक्षण कराया गया जिसके लिए इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हेरिटेज (इन्टैक) से सहयोग लिया गया। विरासत यात्रा एवं बच्चों में धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संग्रहालय में संगृहीत प्रमुख पाषाण प्रतिमाओं का विवरण प्रस्तुत लघुपुस्तिका में उपस्थापित की गई है।

प्रस्तुत लघुपुस्तिका के प्रकाशन के लिए संग्रहालय, बिहार के पूर्व निदेशक डॉ. उमेश चन्द्र द्विवेदी एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वरिष्ठ पुरातत्वविद् डॉ. जलज कुमार तिवारी का बौद्धिक सहयोग प्राप्त हुआ। दोनों विशेषज्ञों के प्रति आभार। मेरे सहयोगी मो. आमिर, आदित्य पब्लिकेशन के फकीर मुहम्मद, राकेश कुमार गुप्ता एवं चन्दन कुमार के सहयोग के बिना इतने कम समय में प्रकाशन असंभव था। सभी को धन्यवाद।

(डॉ. शिव कुमार मिश्र)
गया संग्रहालय, गया



हर-गौरी (Hara-Gauri)
9th-10th Cent. AD.



ब्रह्मा (Brahma)
10th Cent. AD.



गरुड़ (Garuda)
10th Cent. AD.



विष्णु (Vishnu)
09th-10th Cent. AD.



लकुलीश (Lakulisha)
10th Cent. AD.



अज एकपाद शिव (AJa Ekapada Shiva)
09th Cent. AD.



लकुलीश (Lakulisha)
10th Cent. AD.



अवलोकितेश्वर (Avalokiteshvara)
9th Cent. AD.



विष्णु (Vishnu)
9th-10th Cent. AD.



सिंहवाहिनी दुर्गा (Simhavahini Durga)



अपराजिता (Aparajita)
10th Cent. AD.



सिंहवाहिनी दुर्गा (Simhavahini Durga)
10th Cent AD.



शेषशायी विष्णु (Sheshashayi Vishnu)
11th Cent. AD.



सूर्य (Surya)
8th-9th Cent. AD.



चामुण्डा (Chamunda)
11th Cent. AD.



भैरव (Bhirava)
10th Cent. AD.

मंजुश्री (Manjushri)
8th Cent. AD.



सूर्य (Surya)
10th-11th Cent. AD.



सूर्य (Surya)
10th Cent. AD.



सूर्य (Surya)
10th-11th Cent. AD.



विष्णु (Vishnu)
10th Cent. AD.



विष्णु (Vishnu)
8th-9th Cent. AD.



विष्णु (Vishnu)
10th Cent. AD.



उत्तरंग पर ब्रह्मा, विष्णु एवं शिव (Brahma, Vishnu and Shiva on Door -Lintel)



गणेश (Ganesha)
10th-11th Cent. AD.



गणेश (Ganesha)
10th Cent. AD.



गणेश (Ganesha)
10th Cent. AD.



विष्णु (Vishnu)
9th Cent. AD.



सरस्वती (Sarasvati)
10th Cent. AD.



उमा-महेश्वर (Uma-Maheshvara)
10th Cent. AD.



विष्णु (Vishnu)
10th-11th Cent. AD.



विष्णु (Vishnu)
10th Cent. AD.



बुद्ध (Buddha)
9th Cent. AD.



तारा (Tara)
10th Cent. AD.



विष्णु (Vishnu)
10th Cent. AD.

पार्वती (Parvati)
10th-11th Cent. AD.



उमा-महेश्वर (Uma- Maheshvara)
10th Cent. AD.



कामदेव (Kamadeva)
10th Cent. AD.



बुद्ध (Buddha)
9th Cent. AD.



बुद्ध (Buddha)
10th Cent. AD.



कामदेव (Kamadeva)
10th Cent. AD.



नृत्यरत शिव (Dancing Shiva)
10th-11th Cent. AD.



वराह (Varaha)
8th-9th Cent. AD.



कामदेव (Kamadeva)
10th Cent. AD.



मनौती स्तूप (Votive Stupa)
9th-10th Cent AD.



मनौती स्तूप (Votive Stupa)
9th-10th Cent AD.



मनौती स्तूप (Votive Stupa)
9th-10th Cent AD.



बुद्ध (Buddha)
9th Cent. AD.



लकुलीश (Lakulisha)
11th Cent. AD.





**Published By: Gaya Museum, Gaya, Dept. of Art,
Culture And Youth (Directorate of Museum), Govt. of Bihar, 2023**

Printed by: Aditya Publication #9576099416